डॉ सत्य निधि शुक्ला, वी.यू. के ''बेस्ट टीचर''
प्रतिभाशाली का सम्मान एवं प्रोत्साहन अति आवश्यक डॉ जुयाल

आज नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर में डॉ. ए. डी. एन.बाजपेई, माननीय पूर्व कुलपति हिमांचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला, के मुख्य अतिथ्य, डॉ. अनुपम मिश्रा, डायरेक्टर एग्रीकल्चर टेक्नालॉजी एप्लीकेशन रिसर्च इंस्ट्टीट्यूट जबलपुर के विशिष्ठ अतिथ्य एवं डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल माननीय कुलपति की अध्यक्षता में एक समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के सौजन्य से डॉ. सत्य निधि शुक्ला को ''यूनिर्वसिटी बेस्ट टीचर 2017–18 अवार्ड'' से सम्मानित किया गया। डॉ. शुक्ला वर्तमान में सह प्राध्यापक के पद पर आब्स्टेट्रिक्स एवं ग्यॉनाकोलॉजी विभाग पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय जबलपुर में वर्ष 2006 से कार्यरत है। इन्हें पचास हजार रूपये का चेक, एक स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

चयन प्रक्रियाः–

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. एस. एन. एस .परमार अधिष्ठाता संकाय, ने बताया कि इस चयन प्रक्रिया में वी.यू.के अंतर्गत तीनों महाविद्यालयों जबलपुर, महू एवं रीवा के शिक्षकों ने भाग लिया। जिनके सेवा के 5 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त स्कोर कार्ड, भाग ले रहे शिक्षकों से भरवाया गया जिसमें 65 मार्क्स शिक्षण, 5 मार्क्स रिसर्च, 5 मार्क्स एक्सटेंशन एवं 25 मार्क्स अन्य गातिविधियों के शामिल थे।

चयन समितिः–

चयन समिति में डॉ. आर. एस. शर्मा माननीय कुलपति चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर, डॉ. पी. के. मिश्रा, अधिष्ठाता कृषि संकाय एवं डॉ. धीरेन्द्र खरे, संचालक अनुसंधान सेवाएँ जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर शमिल थे।

डॉ. हेमंत मेहता उपविजेताः–

डॉ. हेमंत मेहता सह–प्राध्यापक मेडीसिन विभाग पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय जबलपुर को एक सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

इस अवसर पर **विशिष्ट अतिथि** डॉ. अनुपम मिश्रा ने कहा कि इस पुरूस्कार से अन्य शिक्षकों को प्रोत्साहन प्राप्त होगा। प्रत्येक काम करें आगे बढाये एवं सफलता पाये।

मुख्य अतिथिः– डॉ. ए.डी.एन. बाजपेई ने कहा कि चयन प्रकिया में पारदर्शिता है ये बहुत अच्छा काम है। शिक्षण एक बहुत उत्तम कार्य है इसके लिये शिक्षक का आचरण उत्तम होना चाहिये एवं आचरण की शुद्धता अवश्य होना चाहिये। हमें शास्त्रों एवं वेदों में उल्लेखित अपने अनुसंधान को आगे बढाना है। इस अनुसंधान को पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिये।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये डॉ. जुयाल ने कहा कि आज वि.वि. के लिये खुशी का दिन है। शिक्षक समाज का आइना है उन्होनें देश के विकास की महानता के अनेक उदाहरण दिये। शिक्षक छात्रों के संबंधों के बारे में भी विस्तृत चर्चा की। डॉ. जुयाल ने कहा कि प्रतिभाशाली शिक्षकों का सम्मान एवं प्रोत्साहन अतिआवश्यक है। इससे अन्य शिक्षकों में प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास होगा एवं वे श्रेष्ठतम ढंग से कार्य करेगें।

इस अवसर पर वि.वि. के डॉ. जी.पी. पांडे, डॉ. वाय.पी. साहनी., डॉ. आर.पी.एस बघेल, डॉ. बी.सी. सरखेल, डॉ. जे.के. भारद्धाज, डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव, डॉ. एच.एस.सिंह, डॉ. एस.के. जोशी, डॉ. मधुस्वामी, डॉ. सुनील नायक, डॉ. एस.के. महाजन सहित समस्त प्राध्यापक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमिता तिवारी ने किया।

डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव
सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर